प्रदेश में कौशल विकास और प्रशिक्षण गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा - Avikal Uttarakhand

प्रदेश में कौशल विकास और प्रशिक्षण गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा - दून, पंजाब विवि और आईएसटीडी के बीच एमओयू अविकल...

avikaluttarakhand.com

📍दून, पंजाब विवि और आईएसटीडी के बीच एमओयू

https://avikaluttarakhand.com/uttarakhand/skill-development-and-training-activities-will-get-a-boost-in-the-state/

दून विवि ने पंजाब विवि के साथ हस्ताक्षर किए

अमर हिन्दुस्तान

देहरादून। दून विश्वविद्यालय ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ और आईएसटीडी, नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल की उपस्थिति में आज दून विश्वविद्यालय में दो महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये।पहले एमओयू पर रजिस्ट्रार डॉ. एम.एस.मंडरवाल ने सुश्री अनीता चौहान, राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट आईएसटीडी, नई दिल्ली के साथ और दूसरे पर रजिस्ट्रार, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के साथ हस्ताक्षर किए। आईएसटीडी देश की एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्था है, जिसकी स्थापना अप्रैल 1970 में पूरे देश में प्रशिक्षण और विकास को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की गैर-लाभकारी सोसायटी के रूप में की गई थी। आज ISTD के देश में 54 से अधिक चैप्टर और 12,000 से अधिक पेशेवर सदस्य हैं। पंजाब विश्वविद्यालय पीयू की शुरुआत 1882 में लाहौर में हुई थी,

जिसमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी, मानविकी, सामाजिक विज्ञान, प्रदर्शन कला और खेल में शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता हासिल करने की एक लंबी परंपरा है। यह समझौता ज्ञापन राज्य भर में कौशल विकास और प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने में नए द्वार खोलेगा। डंगवाल ने आशा व्यक्त की कि कौशल विकास में अपेक्षित प्रमाणीकरण नौकरी बाजार में एक नितांत आवश्यकता है और आईएसटीडी एनईपी 2020 के अनुरूप इसे पूरा कर सकेगा दूसरा समझौता ज्ञापन डीएसटी-सीपीआर, पंजाब विश्वविद्यालय के साथ था जिसका मुख्य उद्देश्य सहयोग बढ़ाना था। प्रोफेसर कश्मीर सिंह ने उपरोक्त समारोह में पंजाब विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया, डॉ. ए.सी. जोशी, चेयर प्रोफेसर, सीपीपी, दून विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम का समन्वय किया। प्रो. आर.पी. ममगाईं, प्रो. एच.सी. पुरोहित, राजेंद्र सिंह, ईडी, यूजेवीएन, अनूप कुमार, जीएम, ब्रिडकुल, कर्नल डी.पी. डिमरी, निधि जोशी, अजय बिष्ट कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे।

यह समझौता ज्ञापन राज्य भर में कौशल विकास और प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने में नए द्वार खोलेगा

हिमालयी राज्यों में अध्ययन करेंगे दून और पंजाब विवि

राज्य में कौशल विकास और प्रशिक्षण गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। दून विश्वविद्यालय के साथ मिलकर पंजाब विश्वविद्यालय और आईएसटीडी नई दिल्ली हिमालयी राज्यों में अध्ययन करेंगे।

इसके लिए दून विवि ने पंजाब विवि और आईएसटीडी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। पहले एमओयू पर दून विवि के रजिस्ट्रार डॉ. एमएस मंडरवाल ने आईएसटीडी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीता चौहान के साथ और दूसरे पर पंजाब विवि के रजिस्ट्रार के साथ हस्ताक्षर किए।

आईएसटीडी देश की एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्था है, जिसकी स्थापना अप्रैल 1970 में देश में प्रशिक्षण और विकास को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर की गैर-लाभकारी सोसायटी के रूप में की गई थी। दून विवि की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने कहा, यह समझौता ज्ञापन राज्यभर में कौशल विकास और प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने में नए द्वार खोलेगा। दूसरा समझौता ज्ञापन

दून यूनिवर्सिटी में कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने दून विवि और पंजाब विश्वविद्यालय और आईएसटीडी, नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। संवाद

दून विश्वविद्यालय ने पंजाब विवि के साथ आईएसटीडी के साथ भी किया एमओयू

डीएसटी-सीपीआर पंजाब विश्वविद्यालय के साथ था, जिसका मुख्य उद्देश्य सहयोग बढ़ाना था। नीति निर्माण के क्षेत्र में और हिमालयी राज्यों में अध्ययन और परियोजनाओं को चलाने के लिए पंजाब विवि ऐसी गतिविधियों का केंद्र होगा, इससे हिमालयी अध्ययन में अनुसंधान में लंबे समय से महसूस की जा रही कमी को पूरा किया जा सकेगा।